2. शब्दार्थ और टिप्पणी

पृष्ठ 80

परीक्षा लेना–जाँचना। **परखना**–जाँच करना। **हाल ही में**–निकट अतीत में, अभी बहुत समय नहीं हुआ। **सैर**–भ्रमण। **खास**–विशेष। **अचरज**–हैरानी, आश्चर्य। **आदी**–अभ्यस्त होना, आदत होना। **रोचक**–दिलचस्प, मनोरंजक। **स्पर्श करना**–छूना। **कलियाँ**–वे फूल जो अभी खिले न हों। **मखमली**–मखमल के समान कोमल। **महसूस करना**–अनुभव करना। **अपार**–बहुत, जिसकी कोई सीमा न हो।

पृष्ठ 81

खुशनसीब–भाग्यशाली, अच्छे भाग्य वाले। **मधुर**–मीठे। **स्वर**–आवाज़। **समाँ**–वातावरण। **मचल उठना**–उत्सुक होना। **मन मुग्ध होना**–प्रसन्न होना, मोहित होना। **संवेदना**–अनुभूति, किसी चीज़ को देखकर मन में होने वाला भाव। **क्षमता**–शक्ति, योग्यता। **कदर**–गुणों की पहचान। **आस**–उम्मीद, आशा। **नियामत**–ईश्वर की ओर से दी गई अच्छी वस्तुएँ। **ज़िंदगी**–जीवन। **इंद्रधनुषी**–अनेक प्रकार के। **हरा-भरा करना**–सुंदर बनाना।

3. अर्थग्रहण संबंधी एवं बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

नीचे लिखे गद्यांशों को पढ़िए और उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1 कभी-कभी मैं अपने मित्रों की परीक्षा लेती हूँ, यह परखने के लिए कि वह क्या देखते हैं। हाल ही में मेरी एक प्रिय मित्र जंगल की सैर करने के बाद वापस लौटीं। मैंने उनसे पूछा, "आपने क्या-क्या देखा?"

"कुछ खास तो नहीं," उनका जवाब था। मुझे बहुत अचरज नहीं हुआ क्योंकि मैं अब इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी हूँ। मेरा विश्वास है कि जिन लोगों की आँखें होती हैं, वे बहुत कम देखते हैं। *(पृष्ठ 80)*

प्रश्न–

(क) लेखिका अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती है?

(ख) मित्रों के किस जवाब से उसे क्यों आश्चर्य नहीं होता?

(ग) लेखिका को क्या विश्वास है?

उत्तर–(क) लेखिका यह जानने के लिए अपने मित्रों की परीक्षा लेती है कि उसके मित्र किसी विशेष स्थान पर जाकर क्या देखते हैं?

(ख) जब वह अपने मित्रों से पूछती है कि उन्होंने क्या देखा तो उनका उत्तर होता है कि उन्होंने कोई ऐसी चीज़ नहीं देखी जो विशेष हो! लेखिका को प्रायः इसी प्रकार के उत्तर सुनने को मिलते हैं। वह ऐसे उत्तर सुनने की आदी हो चुकी है। इसलिए उसे ऐसे उत्तरों से कोई आश्चर्य नहीं होता।

(ग) लेखिका को विश्वास है कि जिन लोगों की आँखें हैं, वे अपनी आँखों का पूरा प्रयोग नहीं करते। वे बहुत कम देखते हैं और बहुत-सी देखने योग्य चीज़ों की ओर उनकी नज़र जाती ही नहीं।

2 जिसे कुछ भी दिखाई नहीं देता–सैकड़ों रोचक चीज़ें मिलती हैं, जिन्हें मैं छूकर पहचान लेती हूँ। मैं भोज-पत्र के पेड़ की चिकनी छाल और चीड़ की खुरदरी छाल को स्पर्श से पहचान लेती हूँ। वसंत के दौरान मैं टहनियों में नयी कलियाँ खोजती हूँ। मुझे फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने में अपार आनंद मिलता है। इस दौरान मुझे प्रकृति के जादू का कुछ अहसास होता है। कभी, जब मैं खुशनसीब होती हूँ, तो टहनी पर हाथ रखते ही किसी चिड़िया के मधुर स्वर कानों में गूँजने लगते हैं।

(पृष्ठ 80-81)

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *किसे सैकड़ों रोचक चीज़ें मिली हैं?*
   (क) जो लोग देख नहीं पाते उन्हें भी सैकड़ों चीज़ें मिलती हैं जिन्हें वे छूकर पहचानते हैं।
   (ख) आम लोगों को।
   (ग) जो किसी विशेष चीज़ की खोज करने जाते हैं।
   (घ) जो कम साधनों में भी नई खोज की इच्छा रखते हैं।
2. *लेखिका चीज़ों को कैसे पहचानती है?*
   (क) स्पर्श से (ख) सूँघकर (ग) अनुमान लगाकर (घ) दिए गए सभी
3. *लेखिका को किसमें आनंद मिलता है?*
   (क) प्रकृति को निहारने में
   (ख) लोगों से बातें करने में
   (ग) ठंडे प्रदेशों में जाने से
   (घ) फूलों की पंखुड़ियों को छूने और उनकी घुमावदार बनावट को महसूस करने में।
4. *लेखिका किसके स्वर पर मंत्र मुग्ध हो जाती है?*
   (क) कोयल के (ख) चिड़िया के (ग) मैना के (घ) मोर के
5. *इस गद्यांश में लेखिका के स्वभाव की कौन-सी विशेषता उजागर होती है?*
   (क) प्रकृति प्रेमी (ख) मधुरता (ग) आत्मकेंद्रित (घ) सहयोगी

उत्तर– 1. (क) 2. (घ) 3. (घ) 4. (ख) 5. (क)